



राजपत्र प्रकाशक
K-4338/16
पेसी नं. 18/11/17

माननीय सदस्य महोदय राजपत्र मण्डल, वाणिज्य मं. ७.

विविध १०२६१३२/१७

रेखा सोनी

आवेदिका (निगाहोकर)

श्रीरत्नराज्य
पुणे-२००१
१८/११/१७ को प्रकृत
आदि

अनावेदक ११७

आवेदन पर संगत बाप ३५ (३) म. ७. पु. राजपत्र/अनुपस्थिति
की माफी दिए जाने का अर्थ

२१/११/१७ आवेदक की ओर से निवेदन ले की

(1) यह की सदर प्रकल्प में आप फेरी जिक्रे-निमित्त की आवेदिका अजीमाउक रानेश युता मैरवी हेतु नियत समय पर उपस्थित नहीं हो सके-काल की अचानक से इन्हे उल्टी-पल हो रहे हो माननीय आचार्य की समय-समय पर लगे दिन में उपस्थित इन्हे लो बाहु बाप बनाया गया की आप समय पर नहीं आ पाये इन कारण प्रकल्प अनुपस्थिति के खाति उर दिया गया लक्ष्यगत अविश्विगत रूप आवेदन पर पथि-काल्य महित संभावना बूझकर प्रकृत जिक्रे का रखी जिक्रे आयति में स्थिति-किया गया आवश्यक ही-अनुपस्थिति के माफी दी जावे।

आज निवेदन ले की आवेदन पर स्थिति करते इफ आप डि-१८/११/१७ का आदेश अपालक कले इफ प्रकल्प को पुनः विचारित-पल जिक्रे जाने हेतु सुनवाई हेतु वाच्य जिक्रे जाने की अपा करे। यही-विषय ही

इन्ही
दिनांक १८/११/१७

प्रकाशक
आवेदिका अजीमाउ
Ratanmishra
रानेश युता ट
को. नं. १५२५०-१०७२

(Handwritten signature)

21.2.2017

Resub

आवेदक की ओर से ^{प्रस्तुतकार} श्री
रमेश गुप्ता, डा. अभिषेक उपाध्याय
के लिये जय / अनुपास्थिति का
कारण समाधान का एक होने से
प्रत्येक प्रकरण पुनः स्थापित किया

21-21)
24

जाता है। इस प्रकरण में कार्यवाही
शेष रही होने से समाप्त किया
जाता है।

and
for

~~अप~~
अप